भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

12.03.2021 के

तारांकित प्रश्न सं. 188 का उत्तर

भगवानपुर से कर्पुरीग्राम तक नई रेल लाइन

***188 श्री राम नाथ ठाकुरः**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा यथा प्रस्तावित भगवानपुर से महुआ होते हुए कर्पूरीग्राम तक नई रेल लाइन का कार्य पूरा हो चुका है;

(ख) क्या यह सच है कि सर्वेक्षण दल द्वारा इस नई रेल लाइन परियोजना संबंधी सर्वेक्षण रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को प्रस्तुत कर दी गई है;

(ग) यदि हाँ, तो इस परियोजना पर कुल कितनी निधि खर्च किए जाने की उम्मीद है तथा इसे पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा तय की गई है; और

(घ) क्या सरकार ने चालू वर्ष के आम बजट में इस नई रेल लाइन परियोजना को शामिल कर लिया है?

उत्तर

रेल, वाणिज्य एवं उद्योग और
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

भगवानपुर से कर्पूरीग्राम तक नई रेल लाइन के संबंध में दिनांक 12.03.2021 को राज्य सभा में श्री राम नाथ ठाकुर द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं.188 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित **विवरण**।

(क) और (ख): भगवानपुर स्टेशन हाजीपुर-मुजफ्फरपुर दोहरी लाइन खंड पर विद्यमान है और कर्पूरीग्राम स्टेशन समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर दोहरी लाइन खंड पर विद्यमान है। दोनों स्टेशन मुजफ्फरपुर के रास्ते रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। महुआ, कर्पूरीग्राम के रास्ते भगवानपुर से समस्तीपुर तक सीधी लाइन के लिए केवल सर्वेक्षण कार्य का प्रस्ताव था और यह कार्य पूरा हो गया है।

सर्वेक्षण रिपोर्ट की जांच की गई है। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना को प्रतिफल की ऋणात्मक (-) दर 3.1 प्रतिशत सहित वित्तीय दृष्टि से अर्थक्षम नहीं पाया गया है। चूंकि पर्याप्त कनेक्टिविटी पहले ही विद्यमान है और यह परियोजना वित्तीय रूप से अव्यवहारिक पाई गई है इसलिए, इसे शुरू नहीं किया जा सका।

01.04.2020 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली 74,880 करोड़ रु. लागत वाली 5267 कि.मी. लंबाई की 57 परियोजनाएं (35 नई लाइन, 05 आमान परिवर्तन और 17 दोहरीकरण) निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1306 कि.मी. लंबाई को यातायात के लिए चालू कर दिया गया है और मार्च 2020 तक 22,123 करोड़ रु. का व्यय किया जा चुका है।

2014-15 से बिहार राज्य में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली 13,259 करोड़ रु. लागत वाली 1180 कि.मी. लंबाई की 17 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और यातायात के लिए चालू कर दी गई हैं और साथ ही इस अवधि के दौरान, बिहार राज्य में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली 16,833 करोड़ रु. लागत वाली 1412 कि.मी. लंबाई की 18 परियोजनाएं बजट में शामिल की गई हैं।

बिहार में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन: बिहार राज्य में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना और संरक्षा कार्यों पर औसत वार्षिक बजट आबंटन 1132 करोड़ रु. प्रति वर्ष (2009-14 के दौरान) से बढ़कर 2014-19 के दौरान 3061 करोड़ रु. तक हो गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 170% अधिक है और वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 4489 करोड़ रु. का बजट परिव्यय मुहैया कराया गया था, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय की तुलना में 297% अधिक है। इन निर्माण कार्यों के लिए वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 5150 करोड़ रु. का अब तक का सबसे अधिक बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के औसत बजट परिव्यय के संबंध में 355% अधिक है।

बिहार में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों की कमीशनिंग:
2014-19 के दौरान, बिहार राज्य में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली 695 कि.मी. लंबाई की नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाएं कमीशन की गई हैं, जो 2009-14 के दौरान की कमीशनिंग की तुलना में 119% (318 कि.मी.) अधिक है। 2019-20 के दौरान, 231 कि.मी. लंबाई की नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाएं कमीशन की गई हैं, जो 2009-14 के दौरान की कमीशनिंग की तुलना में 261% (63.6 कि.मी. प्रति वर्ष) अधिक है।

(ग): प्रश्न नहीं उठता, क्योंकि यह परियोजना स्वीकृत नहीं की गई है।

(घ): जी नहीं।

*****